भोपाल, गुरुवार
03
जुलाई-2025

दैनिक
पीपुल्स प्रवक्ता

भोपाल, ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

/Peoplespravakta

E-paper www.peoplespravakta.com | वर्ष: 09 | अंक : 80 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 02 रुपए | E-mail Peoplespravakta@gmail.com

सुविचार

एक सफल व्यक्ति बनने की कोशिश मत करो, बल्कि मूल्यों पर चलने वाले व्यक्ति बनो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के वन्य-जीव रेस्क्यू सेंटर विकसित करने के निर्देश पर अमल

वनतारा जैसे नवाचारों को अपनाने से जियो और जीने दो वन्य-जीव संरक्षण ईको-सिस्टम बनेगा

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य में 'जियो और जीने दो' की भावना को केंद्र में रखकर सह-अस्तित्व आधारित ईको-सिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिससे न केवल जैव विविधता का संरक्षण हो रहा है, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है और वनवासियों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में कई नवाचार किए जा रहे हैं इनमें वन्यजीव अभयारण्यों के संरक्षण और प्रबंधन में उच्च तकनीक का अनुप्रयोग, गुजरात के 'वनतारा' से प्रेरित रैस्क्यू सेंटर, दुर्लभ जीवों जैसे चीते, घड़ियाल एवं कछुओं के एक अभयारण्य से दूसरे में पुनर्स्थापन और संरक्षित क्षेत्रों की फेंसिंग शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन विभाग के अधिकारियों को गुजरात के 'वनतारा' वन्यजीव पुनर्वास केंद्र का अध्ययन कर प्रदेश में भी ऐसा ही रेस्क्यू और एनिमल वेलफेयर प्रोजेक्ट स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल वन्यजीवों के संरक्षण और पुनर्वास में एक नई मिसाल पेश करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के घने वनों और वन्यजीव पर्यटन को राजस्व वृद्धि का एक प्रमुख माध्यम बताया। उन्होंने वन अधिकारी-कर्मचारियों के लिए विशेष सुविधाओं और उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रोत्साहन की घोषणा की। उन्होंने यह भी बताया कि वन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रदेश में वन क्षेत्र और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश में वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया जारी है। जैव-विविधता को बढ़ावा देने के लिए कई स्थलों को जैव-विविधता विरासत घोषित किया

गया है। वन-अग्नि की घटनाओं पर विभाग की प्रतिक्रिया अब पहले से अधिक त्वरित हुई है, जो प्रभावी वन प्रबंधन को दर्शाता है।

मध्यप्रदेश में बाघों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, जिससे प्रदेश की छवि टाइगर स्टेट के रूप में और मजबूत हो रही है। प्रदेश में अब 9 टाइगर रिजर्व हो गये हैं। बाघ संरक्षण के साथ-साथ ये रिजर्व पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दे रहे हैं, साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रहे हैं। टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्रों में पर्यटकों के लिए 'बफर-सफर' योजना के अंतर्गत अनेक नई गतिविधियाँ प्रारंभ की गई हैं। अब पर्यटक प्राकृतिक स्थलों, वन और वन्य-प्राणी दर्शन के साथ ईको-पर्यटन गतिविधियों का आनंद ले रहे हैं। इससे प्रदेश में पर्यटन को नया आयाम मिलेगा और कोर क्षेत्रों पर दबाव भी कम होगा। प्रदेश में 15,000 से अधिक वन समितियाँ गठित की जा चुकी हैं, जिनकी कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं सक्रिय बनाया जा रहा है। प्रदेश में आधुनिक चिड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर्स विकसित किये जा रहे हैं। उज्जैन और जबलपुर में उन्नत सुविधाओं से युक्त नये चिड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर शीघ्र ही स्थापित किए जा रहे हैं। ओंकारेश्वर, तासी और बालाघाट के सोनेवानी क्षेत्र में नए कंजर्वेशन रिजर्व बनाए जा रहे हैं, जो वन्यजीव आवासों की रक्षा करेंगे।

अफ्रीका से लाए गए चीतों की कूनो में सफल पुनर्स्थापना के बाद इन चीतों को प्रदेश एंव देश के दूसरे अभयारण्यों में बसाने की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो चुकी है। प्रदेश के बुंदेलखंड वन क्षेत्रों में फैले हुए वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीता पुनर्स्थापना की तैयारियाँ चल रही हैं, जिससे जैव विविधता में वृद्धि होगी। जलीय जीव संरक्षण के रूप में नर्मदा में महाशीर मछली जैसे जलजीवों के लिए प्रजनन केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। चंबल में कछुए, मगरमच्छ एवं घड़ियाल एवं गंगा डॉल्फिन के संरक्षण के लिए केंद्र पहले से ही स्थापित हैं। इनमें जलीय जीवों की संख्या लगातार बढ़ रही है और इन्हें प्रदेश के साथ ही देश भर में भेजा जा रहा है। मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए संरक्षित क्षेत्रों के लगभग 160 किलोमीटर क्षेत्र में फेंसिंग की जा रही है। इससे वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

हाथियों की सुरक्षा हेतु योजना

प्रदेश सरकार द्वारा हाथियों की सुरक्षा और अनुश्रवण के लिए वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में कुल ?1 करोड़ 52 लाख 54 हजार खर्च किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ?20 करोड़ और 2026-27 के लिए ?25 करोड़ 59 लाख 15 हजार का प्रावधान किया गया है। इस तरह वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक योजना का कुल आकार ?47 करोड़ 11 लाख 69 हजार रहेगा। हाथियों के आवागमन की मॉनिटरिंग के कॉलर आईडी लगाये जा रहे हैं। इन योजनाओं से हाथियों की सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट किया कि टाइगर रिजर्व की घोषणा से जनजातीय समुदायों और वनवासियों के अधिकारों को प्रभावित नहीं होने दिया जायेगा और उनका पूर्ण सम्मान किया जाएगा। सह-अस्तित्व के लिए सह-प्रबंधन की नीति अपनाई जाएगी और जहाँ आवश्यक होगा वहाँ पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

भाषा विवाद को लेकर एमएनएस कार्यकर्ताओं ने ठाणे में गुजराती को पीटा

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के ठाणे में राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने एक गुजराती दुकानदार की पिटाई कर दी। दुकानदार ने उनसे सिर्फ इतना पूछा था कि मराठी बोलना जरूरी क्यों है। इसके जवाब में कार्यकर्ता उससे कहते हैं कि ये महाराष्ट्र है, इसलिए यहां मराठी बोलना ही होगा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसके बाद मंगलवार को पुलिस ने काशीमीरा थाने में एमएनएस के सात कार्यकर्ताओं के खिलाफ केस दर्ज किया है।

वीडियो में एमएनएस के कई कार्यकर्ता दुकानदार को घेरकर उससे बहस करते दिख रहे हैं। एक सदस्य दुकानदार से कहता है, तुमने मुझसे पूछा कि मराठी क्यों बोलनी चाहिए? जब तुम्हें परेशानी थी, तब तुम एमएनएस ऑफिस आए थे। दुकानदार ने जवाब में कहा कि उसे नहीं पता था कि मराठी बोलना अब जरूरी हो गया है। इस पर एक कार्यकर्ता गाली देते हुए दुकानदार को धमकाता है कि उसे इस इलाके में कारोबार नहीं करने दिया जाएगा। जब दुकानदार कहता है कि उसे मराठी सीखनी पड़ेगी, तो एक MNS सदस्य कहता है, हां, ऐसा कहो। लेकिन ये क्यों पूछ रहे हो कि मराठी क्यों सीखनी चाहिए? ये महाराष्ट्र है। महाराष्ट्र में कौन-सी भाषा बोली जाती है? जब दुकानदार कहता है- सभी भाषाएं, तो एक व्यक्ति उसे थप्पड़ मारता है, फिर दूसरा व्यक्ति भी उसे दो बार थप्पड़ मारता है। दुकानदार कुछ समझाने की कोशिश करता है, लेकिन उसे चार बार और थप्पड़ मारे जाते हैं।

हेमंत खंडेलवाल एमपी भाजपा अध्यक्ष बने

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल। हेमंत खंडेलवाल बुधवार को मध्य प्रदेश भाजपा के निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए। चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने इसकी घोषणा थी। खंडेलवाल ने सोमवार शाम नामांकन भरा था। उनके अलावा किसी अन्य ने नॉमिनेशन फॉर्म नहीं भरा था। बीते दिन पांच राज्यों हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना के अध्यक्ष भी निर्विरोध चुने गए थे। हिमाचल में राजीव बिंदल को तीसरी बार कमान दी गई। वहीं, महेंद्र भट्?ट दूसरी बार उत्तराखंड अध्यक्ष बने। महाराष्ट्र में रवींद्र चव्हाण, आंध्रप्रदेश में पीएनवी माधव और तेलंगाना में रामचंदर राव को पहली बार चुना गया है। तेलंगाना में रामचंदर राव को प्रत्याशी बनाए जाने पर विवाद हुआ था।

वर्चुअल सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट ने बीयर पी, अवमानना का केस हुआ दर्ज

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई के दौरान एक सीनियर एडवोकेट के बीयर पीने का वीडियो सामने आया है। मामले का नोटिस लेते हुए हाईकोर्ट ने सोमवार को वकील के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू कर दी। वीडियो 26 जून का है। इसमें सीनियर एडवोकेट भास्कर तन्ना जस्टिस संदीप भट्ट के सामने मग से बीयर पीते दिख रहे हैं। अवमानना कार्यवाही कर रही जस्टिस एएस सुपेहिया और जस्टिस आरटी वच्छानी की बेंच ने तन्ना के आचरण को अपमानजनक बताया। अवमानना कार्यवाही के दौरान तन्ना बेंच के सामने वर्चुअली पेश न हों, कोर्ट ने इसके लिए भी आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि आदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने रखा। अगर वे अनुमति देते हैं तो इसे अन्य बेंचों के पास भी भेजा जाएगा। बेंच ने तन्ना को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट बोला- सीनियर एडवोकेट के दर्जे पर पुनर्विचार की जरूरत कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि इस तरह की हरकतों का असर नए वकील पर पड़ता है, क्योंकि वे सीनियर वकीलों को रोल मॉडल और

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना 3.5 लाख लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन

जम्मू कश्मीर, एजेंसी।

अमरनाथ यात्रा के लिए बुधवार को पहला जत्था जम्मू से रवाना हो गया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भगवती नगर बेस कैंप से जत्थे को झंडी दिखाई। इस दौरान श्रद्धालु हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारे लगाते रहे। आधिकारिक तौर पर यात्रा की शुरुआत 3 जुलाई से होगी। वहीं, पंजाब के पठानकोट से भी यात्रियों के जत्थे को रवाना किया गया। यहां से श्रद्धालु बालटाल होकर बाबा बर्फानी की गुफा पहुंचेंगे।

38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से होगी। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। इस साल अब तक 3.5 लाख से

ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। तुरंत रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। ये सेंटर रोज दो हजार श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं।

पटना में पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज किया, लात-घूंसे बरसाए

पटना, एजेंसी

सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल और पारदर्शिता लागू करने की मांग कर रहे छात्रों पर बुधवार को पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। कुछ पुलिस वालों के पास लाठियां नहीं थीं। उन्होंने छात्रों को लात-घूंसों से पीटा। पटना कॉलेज से छात्रों का प्रदर्शन सुबह शुरू हुआ था। सभी सीएम हाउस का घेराव करने निकले थे। पुलिस ने उन्हें डाकबंगला चौराहे पर बैरिकेडिंग कर रोका था। डाकबंगला चौराहे पर छात्र बैरिकेडिंग तोड़कर आगे जाने की कोशिश रहे थे। पुलिस ने समझाया, लेकिन वो नहीं माने। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी होती रही। बारिश के बीच भी छात्र डटे रहे। शाम करीब 5 बजे के आसपास पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज कर दिया।

कोविड के बाद अचानक मौतों पर स्टडी | आईसीएमआर का दावा-

वैक्सीन से इसका संबंध नहीं, 18 से 45 साल के लोगों पर हुई रिसर्च

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने अपनी स्टडी में बताया कि देश में हार्ट अटैक से होने वाली अचानक मौतों का कोविड वैक्सीन से कोई सीधा संबंध नहीं है। यह स्टडी 18 से 45 साल के लोगों की अचानक मौत पर आधारित है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। स्टडी में कहा गया है कि भारत की कोविड वैक्सीन सेफ और इफेक्टिव है। इससे होने वाले गंभीर साइडइफेक्ट के मामले रेयर हैं। स्टडी में बताया गया है कि अचानक हुई मौतों की अन्य वजहें हो सकती हैं। इनमें जेनेटिक्स, लाइफस्टाइल,

पहले से मौजूद बीमारी और कोविड के बाद के कॉम्प्लिकेशन शामिल हैं।

भारत में दो कोविड वैक्सीन विकसित हुई थीं। भारत बायोटेक ने आईसीएमआर के सहयोग से कोवैक्सिन का निर्माण किया था। वहीं, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनेका के फॉर्मूले से कोवीशील्ड बनाई थी। मौत की वजह जानने के लिए आईसीएमआर और एनसीडीसी स्टडी कर रहे आईसीएमआर और एनसीडीसी अचानक होने वाली मौतों की वजह समझने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

इसके लिए दो रिसर्च स्टडी की जा रही हैं। पहली पिछले डेटा पर आधारित थी और दूसरी रियल टाइम इन्वेस्टिगेशन से जुड़ी है। पहली स्टडी- कोविड वैक्सीन से अचानक मौत का जोखिम नहीं आईसीएमआर के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी ने मई, 2023 से अगस्त, 2023 तक 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 47 अस्पतालों पर स्टडी की। इसमें ऐसे लोगों का डेटा देखा गया जो स्वस्थ दिख रहे थे, लेकिन अक्टूबर, 2021 से मार्च, 2023 के बीच अचानक उनकी मौत हो गई।

स्टडी- दिल के दौरे का वैक्सीन से कोई लेना देना नहीं

नतीजों से पता चला कि कोविड वैक्सीन अचानक मौत का जोखिम नहीं बढ़ाती। दूसरी स्टडी- अधिकतर मौतों का कारण जेनेटिक म्यूटेशन यह ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस और आईसीएमआर की मदद से की जा रही है। इसका मकसद युवा वयस्कों की अचानक मौतों के कारण पता लगाना है। स्टडी के शुरुआती आंकड़ों से पता चला कि दिल का दौरा या मायोकार्डियल इंफार्क्शन इस उम्र में अचानक मौत का प्रमुख कारण है।

मीडिया के सवालों पर भड़के सिद्धारमैया

बोले- अगले 5 साल तक मैं ही कर्नाटक का मुख्यमंत्री रहूंगा

चिकबल्लापुर, एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि वे पूरे पांच साल तक ष्टरूपद पर बने रहेंगे। चिकबल्लापुर में मीडिया ने जब उनसे पूछा कि क्या वे पांच साल तक सीएम रहेंगे, इसके जवाब में दिग्गज नेता ने कहा, हां, मैं रहूंगा। आपको इसमें संदेह क्यों है? भाजपा और जेडी(एस) के इस दावे पर कि सीएम को बदला जाएगा, सिद्धारमैया ने पलटवार करते हुए कहा- क्या वे हमारे हाईकमान हैं। उन्होंने पूछा, आर अशोक, बीवाई विजयेंद्र, चलवडी नारायणस्वामी भाजपा के आदमी हैं। अगर वे ऐसी बातें कहते हैं तो क्या आप लिखेंगे। आपको इसकी पुष्टि करनी चाहिए या नहीं।

सीएम बदलने का बयान देने वालों को नोटिस दिए जाएंगे

इसके पहले भी शिवकुमार ने कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस में कोई असंतोष नहीं है और जब सिद्धारमैया मुख्यमंत्री हैं, तो नेतृत्व के मुद्दे पर किसी तरह के विवाद की कोई जरूरत नहीं है। पार्टी अनुशासन महत्वपूर्ण है, मैंने किसी से खुद को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं कहा है। शिवकुमान ने यह चेतावनी भी दी कि सीएम बदलने के मुद्दे पर सार्वजनिक बयान देने वाले नेताओं को नोटिस जारी किए जाएंगे। विधानसभा चुनाव के बाद सीएम पद के दावेदार थे शिवकुमार मई 2023 में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी।